PlanetRead
Literacy for a Billion

Movie: Phootpath
Year: 1953

Song: Shaam E Gham Ki Kasam
Lyricist: Majrooh Sultanpuri

शामे ग़म की क़सम
आज ग़मगीं हैं हम
आ भी जा आ भी जा
आज मेरे सनम
शामे ग़म की क़सम

दिल परेशान है
रात वीरान है
देख जा किस तरह
आज तनहा हैं हम
शामे ग़म की क़सम

चैन कैसा जो पहलू में
तू ही नहीं
मार डाले ना
दर्दे जुदाई कहीं
रुत हसीं है तो क्या
चाँदनी है तो क्या
चाँदनी ज़ुल्म है
और जुदाई सितम

शामे ग़म की क़सम
आज ग़मगीं हैं हम
आ भी जा आ भी जा
आज मेरे सनम
शामे ग़म की क़सम

अब तो आ जा
के अब रात भी सो गई
ज़िन्दगी ग़म के
सेहरा में खो गई

अब तो आ जा
के अब रात भी सो गई
ज़िन्दगी ग़म के
सेहरा में खो गई

ढूँढ़ती है नज़र
तू कहाँ है मगर
देखते देखते आया
आँखों में दम

शामे ग़म की क़सम
आज ग़मगीं हैं हम
आ भी जा आ भी जा
आज मेरे सनम
शामे ग़म की क़सम

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.